

# क्रांति समय

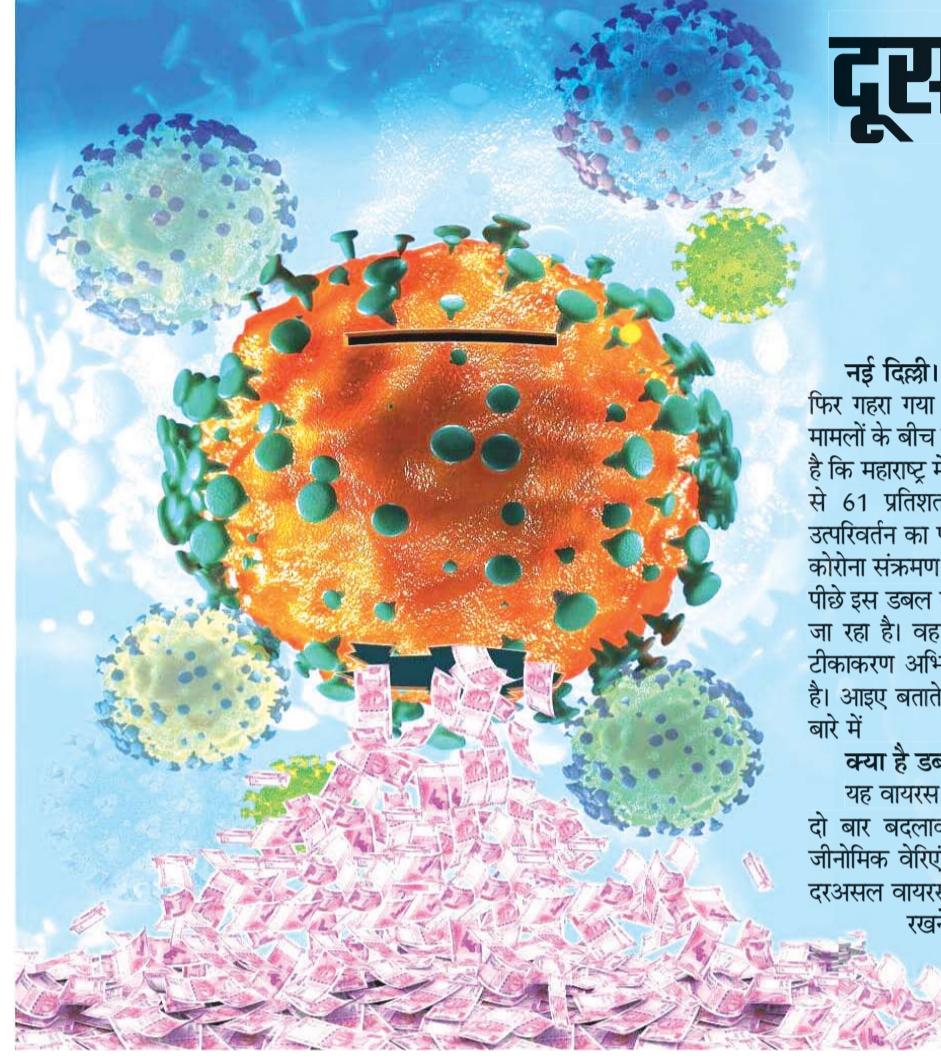
सुरत-गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराञ्चल, उत्तराखण्ड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार, १६ अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -८२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१ रुपये

Web site : [www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com) & .in , [epaper.krantisamay.com](http://epaper.krantisamay.com) [www.facebook.com/krantisamay1](https://www.facebook.com/krantisamay1) [www.twitter.com/krantisamay1](https://www.twitter.com/krantisamay1)

एवं बुलेस में बुजुग पिता को कोरोना से लड़ाता देख लाखार बेटे की गुहार अस्पताल में बेड दो बरना इंजेक्शन देकर मार दो

मुंबई। कोरोना वायरस के कहर ने लोगों को लाचार बना दिया है। देश में कोरोना के केस इतने बढ़ रहे हैं कि पैसे रखते हुए भी लोगों को न तो बेड मिल पा रहा है और न ही ऑक्सीजन। महाराष्ट्र में कोरोना का सबसे भयानक मंजर उस वक्त देखने को मिला, जब एक बुजुग कोरोना मरीज के लाचार बेटे ने सरकार से दर्दनाक गुहार लगाई है। 24 घंटे के भीतर महाराष्ट्र और तेलंगाना के कई अस्पतालों का चक्र तगाने लाने वालु बुजुग मरीज के बेटे सागर किशोर नाहरशैवर ने थक हास्कर गुहार लार्ड कि या तो उनके पिता के लिए अस्पताल में बेड मुहूरा कराई जाए या फिर उन्हें इंजेक्शन देकर मार दिया जाए। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, एंगुलेस में पिता को कहरता देख सागर किशोर नाहरशैवर के कहाना, ना तो बेड मिल रहा है और गाढ़ी का ऑक्सीजन भी खम्ब हो रहा है। आगर यहां बेड मुहूरा नहीं करा सकते तो कम से कम इंजेक्शन देकर मार ही डालो। न तो मैं इन्हें घर ले जा सकता और न यहां बेड मिल रहे एंगुलेस में अपने पिता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, मैं तीन बच्चे से ही चक्र काट रहा हूँ मैं सबसे पहले वरेग अस्पताल गया और उसके बाद फिर चंद्रपुर में भी गया। उसके बाद प्राइवेट अस्पताल भी गया, मार कहीं भी बेड नहीं मिला। करीब एक बजे रात को मैं तेलंगाना के लिए निकला और फिर सुबह तीन बजे तेलंगाना पहुँचा। यहां भी कोई बेड नहीं मिला। उसके बाद हम सुबह में वापस आए। तब से यहां बेड मिलने का इंतजार कर रहा हूँ। उनका कहना है कि एंगुलेस में पिता की हालत बिंगड़ रही है, क्योंकि अब ऑक्सीजन भी खम्ब होने वाला है। उन्होंने कहा कि आगे मेरे पिता को बेड नहीं मिल सकता तो इंजेक्शन देकर मार ही डालो। बता दें कि चंद्रपुर में भी कोरोना से हालत भयावह है। सोमवार को 24 घंटे के भीतर 850 कोरोना केस सापेने आए थे वहीं छ लोगों की मौत हुई थी।



## हर महीने 78 लाख यूनिट तक तैयार होगी रेमेडिसिविर, 6 कंपनियों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना के उत्तराधिकारी द्वारा 11 अप्रैल 2021 को रेमेडिसिविर, एपीआई और फॉर्मूलेशन को नियंत्रित प्रतिबंध के तहत रखा गया है। वहीं सरकार के उत्पादन करने वाली छह कंपनियों को प्रतिमाह दस लाख इंजेक्शन अतिरिक्त उत्पादन के लिए मंजूरी दी गई है। जबकि 30 लाख इंजेक्शन प्रतिमाह उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया पहले ही सुरु की जा चुकी है। इंजेक्शन बनाने वाली कुल सात कंपनियों की मौजूदा क्षमता 38.80 लाख प्रतिमाह है। नई क्षमता के सुरु होने से 78 लाख से अधिक इंजेक्शन उत्पादन बढ़ाने की रियासी एवं राज्यमंत्री मंडलविया ने रेमेडिसिविर के उत्पादन को लेकर हाल में इसके नियमिताओं के साथ बैठक की है जिसमें उत्पादन बढ़ाने की रियासी प्रतिमाह तैयार हो सकेंगे। उत्तरक राज्यमंत्री मनसुख मंडलविया ने रेमेडिसिविर के उत्पादन को लेकर हाल में इसके नियमिताओं के साथ बैठक की है जिसमें उत्पादन बढ़ाने की रियासी प्रतिमाह तैयार हो सकेंगे। उत्तरक राज्यमंत्री मनसुख मंडलविया ने रेमेडिसिविर के उत्पादकों ने इसकी कीमतें 3500 रुपये प्रति इंजेक्शन से कम रखने पर सहमति प्रकट की है। हालांकि कुछ कंपनियों के दाम पहले ही इससे कम हैं लेकिन कूछ के दाम दाम पहले ही इससे कम हैं लेकिन कूछ के दाम अभी पांच हजार रुपये के करीब हैं। घरेलू बाजार में रेमेडिसिविर की उपलब्धता की लगातार निगरानी कर रहा है।



करने के लिए विनियोगिताओं को दिया गया है। डीजीसीआई द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रवर्तन अधिकारियों को रेमेडिसिविर की कालाबाजारी, जमाखारी एवं अधिक कीमत बसूती की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। राष्ट्रीय अधिकारी निर्धारण प्राधिकरण अस्पतालों में भर्ती गम्भीर कोविड मरीजों को सुनने में परेशानी हो रही है। इन चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें उनके दोनों कानों से सुनाई नहीं दे रहा। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल एक कान से ही सुन पा रहे हैं। इस तरह की

## दूसरी लहर में 'डबल अटैक' पाले वेरिएंट से जापा कहर

### ज्यादातर मरीजों की हालत हो रही गंभीर

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संकट एक बार पिर गहरा गया है। देश में हर रिकॉर्ड तोड़ते नए मामलों के बीच एक डराने वाली खबर यह भी आई है कि महाराष्ट्र में संक्रमण के कुल 361 नमूनों में से 61 प्रतिशत में डबल म्यूटेशन यानी दोहरे उत्परिवर्तन का पता चला है। पिछले कुछ हफ्तों में कोरोना संक्रमण के मामलों में आई भीषण तेजी के पीछे इस डबल म्यूटेशन को भी बड़ी वजह बताया जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जब भारत में टीकाकरण अभियान भी तेजी से चलाया जा रहा है। आइए बताते हैं आपको इस दोहरे म्यूटेशन के बारे में।

क्या है डबल म्यूटेंट वायरस?

यह वायरस का वाँ सूप है, जिसके जी-गोप में दो बार बदलाव हो चुका है। वैसे वायरस के जी-नोमिक वेरिएंट में बदलाव होना आम बात है। दरअसल वायरस खुद एक लंबे समय तक प्रवाही रखने के लिए लगातार अपनी जेनेटिक संरचना में बदलाव लाते रहते हैं ताकि उन्हें ताकि से बदला जाए।

वायरस हमारे शरीर की किसी कोशिका पर हमला करते हैं तो कोशिका कुछ ही घटों के अंदर वायरस की हजारों कॉन्पोज बना देती है। इससे शरीर में वायरस लोड तेजी से बढ़ता है और मरीज जल्दी ही बीमारी की गंभीर अवस्था में पहुँच जाता है।

मार्च के अंत में भारत के नेशनल सेंटर फॉर रिजीसुल केंजीज कर्ट्रोल ने एक नए वेरिएंट 'डबल म्यूटेंट' को जानकारी दी।

शरीर में बढ़ जाता है वायरल लोड-कॉर्ड बार म्यूटेशन के बाद वायरस पहले से कमज़ोर हो जाता है लेकिन कई बार म्यूटेशन की यह प्रक्रिया वायरस को काफ़ी खतरनाक बना देती है। ऐसे में

की जानकारी दी थी। महाराष्ट्र, दिल्ली और पंजाब से लिए गए सैम्प्ल में इस वेरिएंट की पहचान की गई। हालांकि, बृद्धवार को झारखण्ड के कई सैलानों में भी डबल म्यूटेंट मिलने की पुष्टि हुई है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय कहा है कि ये नए 'डबल म्यूटेंट' वेरिएंट इतनी मात्रा में नहीं मिले हैं कि कहा जाए कि इसकी वजह से देशभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

इस्ट्रॉनीटी पर होगा असर?

इस बात के अभी तक कोई ठोस स्लॉप नहीं मिले हैं कि डबल म्यूटेंट से इस्ट्रॉनीटी पर कोई असर पड़ता है या नहीं। अभी तक यह भी जानकारी नहीं है कि भारत में कुल कितने लोग बदलाव वाले वायरस से संक्रमित हैं। त्वार्कि, कोरोना के दूसरी लहर हर दिन तेजी से फैल रही है, इसलिए एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे अधिक लोग डबल म्यूटेंट वायरस ही सबसे बड़ी वजह हो सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि डबल म्यूटेंट वायरस ने मात्रा में अधिक लोग डबल म्यूटेंट वायरस से संक्रमित होने की ओर आगे बढ़ रही है।

गंभीर होने की अवस्था में शरीर के कई अंग

प्रभावित होने लाते हैं। त्वार्कि कई अंगों पर

होते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल

एक कान से ही सुन पा रहे हैं। इस तरह की

लकड़ी की अवस्था में शरीर के कई अंग

प्रभावित होने लाते हैं। त्वार्कि कई अंगों पर

होते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल

एक कान से ही सुन पा रहे हैं। इस तरह की

लकड़ी की अवस्था में शरीर के कई अंग

प्रभावित होने लाते हैं। त्वार्कि कई अंगों पर

होते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल

एक कान से ही सुन पा रहे हैं। इस तरह की

लकड़ी की अवस्था में शरीर के कई अंग

प्रभावित होने लाते हैं। त्वार्कि कई अंगों पर

होते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल

एक कान से ही सुन पा रहे हैं। इस तरह की

लकड़ी की अवस्था में शरीर के कई अंग

प्रभावित होने लाते हैं। त्वार्कि कई अंगों पर

होते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल

## संपादकीय

## परीक्षाओं का सम्मान

कोरोना ने अपना प्रहर बढ़ा दिया है और उसके नतीजे आप दिन सामने आगे लगे हैं। अंततः केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित और 10वीं की परीक्षाओं को रद्द करने पर मजबूर हो गया। संक्रमण के बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो बैठक प्रस्तावित थी, उसके पाले ही यह अंदराजा लगने लगा था कि सरकार बड़ा फैसला करने वाली है। जब देश में प्रतिदिन संक्रमण के मामले दो लाख के बीच पहुंच गए हैं, तब सामूहिक रूप से एक साथ बैठकर बच्चों की परीक्षा लेना काही रही होता। दसवीं की परीक्षा को पहले ही बहुत टाल दिया गया था, लेकिन अब उसे टालना नामुमकिन था, इसलिए उसे रद्द करने में ही सरकार ने सबकी भलाई समझी। 12वीं की परीक्षा चूंकि आगे की पैशेवर पढाई के लिए जरूरी होती है, इसलिए उसके लिए सरकार उचित ही इंजार करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व केंद्रीय शिक्षा सचिव और अन्य शीर्ष अधिकारियों की बैठक में लिए गए फैसलों का साथ करना चाहिए। सुरक्षा के तमाम इंजारों के बाइजूट 4 मई से 14 जून के बीच परीक्षा लेना खतरे से खाली नहीं होता। अब राज्यों की भी अपने यहाँ बोर्ड परीक्षाओं के बारे में फैसला लेने में फैसला लेने में छात्रों को दसवीं में पास कर दिया जाएगा। जाहिर है, उन बच्चों के साथ यह नाइसाइफी है। जो वर्षों से इस परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे थे। निकट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दसवीं की परीक्षा का पारिवारिक-शैक्षणिक तनाव पांचवीं-छठी कक्षा से ही शुरू हो जाता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अभी दसवीं की परीक्षा से वर्चित बच्चों को दोबारा मौका नहीं मिलेगा। जब कोरोना का असर कम होगा, तब सरकार दसवीं की परीक्षा कराएगी और उसमें वे तमाम बच्चे शामिल हो सकेंगे, जो आंतरिक मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं होंगे। जहां तक 12वीं की परीक्षा का सवाल है, तो सरकार 1 जून को देश में कोरोना का हाल देखने के बाद फैसला लेंगी। समय आ गया है, अब शिक्षा अधिकारियों को पारपरिक परीक्षा के बेहतर विकल्प पर सोचना पड़ेगा। परीक्षाओं को रद्द करते चलना देश की शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए ठीक नहीं है। जिन नेताओं ने विद्यार्थियों के हित में परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की है, उन्हें भी परीक्षा के एसे ढांचे पर विचार करना चाहिए, जिससे कोरोना जीसी अपदाओं के समय भी छात्रों की सही परिक्षा तो जा सके और उनका यथावित मूल्यांकन किया जा सके। दसवीं पास करने जा रहे विद्यार्थियों को मूल्यांकन की पढ़ति भी पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को संतुष्ट किया जा सके। सरकार और बोर्ड को आंतरिक मूल्यांकन के फैसले भी तय करने होंगे, जिस पर सभी स्कूलों को चलने के लिए पाबंद करना होगा। सरकार के इस फैसले से छात्रों के बीच यह भी संदेश गया है कि पढ़ाई के दैरान हर परीक्षा को गोभीरता से लेना चाहिए। हो सकता है, भविष्य हमें फ़ाइनल परीक्षा का मौका ही न दे और पहले के प्रदर्शन के आधार पर ही स्कूल या बोर्ड चालू मूल्यांकन करने लगें। अंतः विपरीत हालात में लिया गया सरकार का यह फैसला विद्यार्थियों के लिए सबक है, जिसकी रोशनी आगे हमेशा काम आएगी।



## आज के ट्वीट

## मुस्कान

अगर आपकी एक छोटी सी मुस्कान से आपकी फोटो इतनी खूबसूरत हो सकती है, तो सोचिए हमेशा मुस्कुराने से आपकी जिन्दगी कितनी खूबसूरत होगी।

--विवेक बिन्द्रा

## ज्ञान गंगा

## सेवा कार्य

## श्रीराम शर्मा आचार्य

सेवा ऐसा कार्य है जो लगता तो सामान्य, छोटा और कुछ लोगों की दृष्टि से ओछा भी पर वस्तुतः सही मायने में व्यक्तियों के व्यक्तित्व को सुगढ़ बनाने, परिमोजित करने और तप तितिक्षा के लिए तैयार करने में आधार का काम करते हैं। संत विनोदा, गांधी जी, मदर टेरेसा आदि पुण्यान्वय सेवा कार्य को आजीवन करते रहे। वे समझते थे सेवा की महत्वा को। सेवा कार्य आत्मा की आवश्यकता का पैषण है। उसको निरंतर और निर्बंध गति से करते रहना इसलिए आवश्यक है कि जीवित रहें, हमारी आत्मा और उसकी सुखित जीवित रहे। तिसी पर एहसान करने के लिए, दूसरों के सहायक और उपकारी बनने के लिए, अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए भी नहीं। सेवा का प्रयोजन आत्मा की गरिमा को अक्षुण्ण रखने और उसका जीवन साधन जुटाए रखने के लिए है। इसलिए इसे करते रहना चाहिए। ऐसा सोचना उचित नहीं कि मैंने इतना तो कर लिया, क्या अब सदा ही करता रहूँगा? जो सेवा की गरिमा के अतिरिक्त करने के लिए भी नहीं। सेवा का प्रयोजन आत्मा की गरिमा को अक्षुण्ण रखने और उसका जीवन साधन जुटाए रखने के लिए है। इसलिए इसे करते रहना चाहिए। ऐसा सोचना उचित नहीं कि मैंने इतना तो कर लिया, क्या अब सदा ही करता रहूँगा? जो सेवा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

## बार शपथ ग्रहण करने के पश्चात अपनी पहली 'मन की बात' में जल समस्या से निजात पाने के लिए

जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसायनदान कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमधुवाली जानती है और वह जम्म से लेकर मरण पर्यात अनुपरत रूप से उसी मधुरिया में निजाम रखती है। न थकी है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धूंध दूंडेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोचती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्ट्रीकारी भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराम से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सीदर्घ के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठ भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्ट का अभ्यर्त हो गया, उन्हें निकृष्टा की दुर्घट में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसायनदान कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमधुवाली जानती है और वह जम्म से लेकर मरण पर्यात अनुपरत रूप से उसी मधुरिया में निजाम रखती है। न थकी है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धूंध दूंडेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोचती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्ट्रीकारी भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराम से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सीदर्घ के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठ भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्ट का अभ्यर्त हो गया, उन्हें निकृष्टा की दुर्घट में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसायनदान कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमधुवाली जानती है और वह जम्म से लेकर मरण पर्यात अनुपरत रूप से उसी मधुरिया में निजाम रखती है। न थकी है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धूंध दूंडेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोचती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्ट्रीकारी भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराम से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सीदर्घ के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठ भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्ट का अभ्यर्त हो गया, उन्हें निकृष्टा की दुर्घट में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसायनदान कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमधुवाली जानती है और वह जम्म से लेकर मरण पर्यात अनुपरत रूप से उसी मधुरिया में निजाम रखती है। न थकी है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धूंध दूंडेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोचती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्ट्रीकारी भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराम से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सीदर्घ के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठ भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्ट का अभ्यर्त हो गया, उन्हें निकृष्टा की दुर्घट में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्य





# राधिका मदान

ने कर ली हैं लॉकडाउन 2.0 की तैयारी, ज्लैमरस फोटो से फिल्मी अंदाज में कही अपने दिल की बात



बड़े ही फिल्मी अंदाज में अभिनेत्री राधिका मदान लॉकडाउन-2 की तैयारी कर रही हैं. जी हा, इस समय कोरोना का संकट फिल्मी सितारों पर कहर बनकर रूट पड़ा हैं, फिल्मों की शूटिंग तक रोक दी गई है, ऐसे में कुछ वक्त काम से हटकर राधिका बड़े ही दिलकश अंदाज में अपने चाहने वालों को प्यार भरा संदेश दे रही हैं.

अपने सोशल मीडिया पर राधिका लिखती हैं, बाहर से कोई अंदर ना आ सके, अंदर से कोई बाहर ना जा सके. #lockdown 2.0

सोशल मीडिया पर राधिका का शेयर किया हुआ थे हॉट फोटो उनके फैंस के दिलों की धड़कनों को बढ़ा रहा है. खूबसूरत होने के साथ-साथ राधिका एक बेमिसल अदाकरा भी हैं और फिल्म इंस्ट्री में एक सफल अभिनेत्री बनकर सामने आई हैं. अपनी पहली फिल्म पटाका, मर्द को दर्द नहीं होता और अंग्रेजी मीडियम जैसी हिट फिल्में देकर राधिका मदान ने इस बात का इशारा दे दिया है कि ये तो बस शुरूआत है, अभी तो काफिला बहुत दूर तक चलेगा. अपकर्मिंग फिल्मों की बात करें तो राधिका शिद्दत में दिखने वाली हैं, ये फिल्म पूरी हो चुकी है लेकिन कोरोना महामारी के कारण पिछले साल रिलीज नहीं हो पाई.

राधिका का कहना है कि ये कुछ नया करना चाहती हैं, कुछ समय पहले एक्ट्रेस इस बारे में कहा था, मैं ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हूं जो मैंने पहले नहीं की हैं. मुझे एक ही जैसे किरदार को बार-बार निभाना पसंद नहीं है. एक अभिनेता के लिए विभिन्न भूमिकाएं निभाना और चुनौतियों लेना बहुत अहम होता है, अभिनेत्री ने कहा था कि अपने किरदार में नयेपन के कारण ही वो फिल्म शिद्दत को लेकर खासी उत्साहित हैं.

**बॉयफैंड रणबीर कपूर नहीं बल्कि इस चैज को निः कर रही हैं कोरोना पॉजिटिव**

## आलिया भट्ट शेयर की तरचीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. फैंस अक्सर उनकी पोस्ट, तस्वीरें और वीडियो आने का बेस्ट्री से

साथ मालीदाब वेकेशन पर गई थीं.

क्रांतीन में बिता रही हैं वक्त

इससे पहले आलिया ने एक तस्वीर शेयर की थी, ये एक सेलफी थी, जो उन्होंने क्रांतीन में रहने हुए शेयर की है. इसमें आलिया नो-मेकअप लुक फ्लॉन्ट कर रही हैं. उन्हें तस्वीरों में बेड पर आराम करते हुए देखा जा सकता है. आलिया ने व्हाइट स्लीवलेस टॉप पहन रखा है जबकि वह सनकिस्ड सेल्फी में भी नजर आ रही हैं. इसके साथ उनके मेसी हेयर तस्वीर की सुंदरता और बड़ा देते हैं. उन्होंने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैशन भी सबसे अलग लिखा है. एक्ट्रेस ने लिखा,

%ड्रीमर कभी नहीं उठते.

इन फिल्मों में दिखी आलिया

आलिया भट्ट के पाइपलाइन में कई बड़े प्रोजेक्शन हैं. अभी उनकी फिल्म गंगौर्बाई काटियावाड़ी का ट्रेलर रिलीज हुआ था. इसमें आलिया के रोल और एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही थी. क्वोंकि इसमें उनका बिल्कुल अलग किरदार नजर आएगा. इस फिल्म के अलावा आलिया एसएस राजमोली की आरआरआर, अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मस्त्र में अहम किरदार निभाती नजर आएंगी.



सारा अली खान ने की अपने ट्रिप की रिपोर्टिंग, अमृता सिंह वीडियो में दिखी डरी हुई



बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान (Sara Ali Khan) जो इन दिनों कश्मीर की वादियों में पहाड़ों के बीचों बीच अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना ने पहांची हुई हैं और अच्छा समय बिता रही हैं. सारा अपने फैंस और करीबी दोस्तों का सीधा कश्मीर से मनोरंजन करती दिखाई दे रही हैं. सारा अली खान अपने पूरे ट्रिप की रिपोर्टिंग के जरिए पल-पल की खबरें देती दिखाई दे रही हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो अपनी मां अमृता सिंह के साथ दिखाई दे रही हैं, लेकिन उनकी मां काफी डरी हुई दिखाई दे रही हैं. ऐसा क्यों ये आप हमारी इस वीडियो में देखे सकते हैं.

सारा अली खान ने वीडियो को शेयर करने के साथ कैप्शन में लिखा कि, नमस्ते दर्शकों, बॉच सारा बको. शर्म से मां चेहरा ढक रही हैं लेकिन मेरे दर्शकों कृपया फोन मत रखो. % सारा अली खान के इस वीडियो को खूब देखा जा रहा है और काफी पसंद भी किया जा रहा है. सारा अली खान आखिरी बार वरुण ध्वन के साथ फिल्म कुली नंबर 1 में दिखाई दे थी.

**अनुष्का शर्मा ने एक हैप्पी स्टाइल में शेयर की फोटो, प्रियंका चोपड़ा ने किया कमेंट**



बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपनी प्रेमेंसी के बाद काम पर वापस लौट गई हैं और उन्हें पहले से ही मडे ब्लूज का एहसास हो रहा है. अनुष्का ने हाल ही में अपना एक फोटोशूट करवाया जिसकी एक छालक अपने फैंस के लिए सोशल मीडिया पर शेयर की है. जिसे वो सोमवार की सबसे खुशहाली फोटो का नाम देती दिखाई दी. इस फोटो में वो एकदम अलग अंदाज में दिखाई दे रही हैं. जिसे उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. अनुष्का द्वारा शेयर की गई फोटो में प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) ने भी कमेंट किया है.

अपने इंस्टाग्राम पर अनुष्का अपनी इस फोटो में दिल से हसते हुए देखाई दे रही है. फोटो को शेयर करने के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि, हैप्पी मडे एक छालक है अनुष्का ने अपनी इस व्यापी सी फोटो में हरे रंग का टॉप के साथ नीले रंग की पैंट और पीले रंग के जूते पहने हुए हैं. एक्ट्रेस की इस फोटो पर फैन्स अलग-अलग तरह के कमेंट करते दिखाई दे रहे हैं. वहीं इस फोटो को देख प्रियंका चोपड़ा कमेंट करते हुए लिखती है कि, बिल्कुल! हाल ही में इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने शूटिंग के सेट से फोटो शेयर की थी. जिसमें वो मेकअप करते हुए देखा गया था. एक्ट्रेस ने अपनी प्रेमेंसी के विषय के बाद वापस काम पर लौटी हुई दिखाई दी. अनुष्का ने दो महीने पहले से काम करना शुरू कर दिया. अनुष्का और विराट कोहली ने जनवरी में अपनी बेटी वामिका का स्वागत किया. अपनी बेटी के जन्म के बाद, अनुष्का ने घोषणा की थी कि वो मई में काम पर लौट आएगी. लेकिन वो इससे पहले ही अपने काम पर वापस लौट गई.

फिज में अंडे रखने से हो सकते हैं ये नुकसान !



कहीं सब्जियां खराब न हो जाएं इसलिए हम इन्हें फिज में रख देते हैं। ऐसे ही हम फिज में जूस, प्रूट और अंडों को भी रख देते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिज में अंडा स्टोर करने से कई नुकसान होते हैं? जी हाँ, हाल में हाँ एक अध्ययन में यह बात सबित हुई है कि अंडों को फिज में रखना सुरक्षित नहीं है। आइए जानें, फिज में अंडा रखने के नुकसान।

1. अगर हम फेश अंडे को उबालते हैं तो वे फूटते नहीं हैं लेकिन फिज में रखें अंडे को उबालने पर वह फूट जाते हैं।

2. अंडे को फिज में रखने से इसके छिनके पर मौजूद बैक्टीरिया की गति बढ़ जाती है और इस अंडे का सोनन करना सहज के लिए हानिकारक हो सकता है।

3. अक्सर ऐसा होता है कि अंडे के ऊपरी भाग में गंदगी रह जाती है, जिससे फिज की दूसरी चीजें भी प्रभावित होती हैं।

4. ऐसे कहते हैं कि फिज में रखें अंडे बाहर रखें अंडों की तुलना में ज्यादा दिन तक सही रहते हैं लेकिन फिज में कूलिंग ज्यादा होने से इसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

# घर शिप्ट

कर रहे हैं तो घबराएं नहीं, अपनाएं ये टिप्स



आपने नया घर बनाया है या किराए का घर बदलाना है तो शिप्ट करने के नाम पर ही सिर चकराने लगता है। और अगर आपने हाल ही में अपने नए घर में शिप्ट किया है? या फिर जल्द ही वहाँ शिप्ट होने वाले हैं तो सामान अड्जस्ट करने के बाद जो सबसे जरूरी काम होता है वो है वहाँ का डेकोर या साज-सज्जा। ऐसे में कंप्यूजन शुरू हो जाता है कि आखिर शुरुआत कहाँ से करें। आपके सामने भी अगर ऐसी ही सियुएशन है तो जानिए ये टिप्स...

रंगों पर दें खास ध्यान

रंगों का बुनाव डेकोर का सबसे जरूरी हिस्सा होता है क्योंकि इसे जल्दी नहीं बेंज किया जा सकता। इसलिए घर के सभी एरिया के रंग यानी बेडरूम, किचन, लिविंग रूम, डाइनिंग रूम के रंगों को बदल दें ताकि बदलाव साफ दिखाई दे। अगर आपने पलेट सेलेक्ट किया हो और आपको वहाँ का पैट पसंद नहीं है तो सबसे पहले आप वहाँ की पैटिंग का काम शुरू कर सकते हैं। ब्राइट और रिच कलर्स घर को जीवंत रूप देते हैं। फैमिली फोटोज से सजाए दीवारें

घर को पर्सनलाइज्ड टच देने के लिए फैमिली फोटोज सबसे बढ़िया ऑप्शन है। डेकोर के लिए सबसे पहले फैमिली की कुछ हैप्पी फोटोज सिलेक्ट करें और उन्हें स्टाइलिश फ्रेम में लगाकर डिस्प्ले करें। अगर आप महीनी

पैटिंग सुखीदाने के मूड में नहीं तो पुरानी बुक्स के खूबसूरत कवर्स, कैलेंडर्स को काट कर उन्हें फ्रेम कराएं या नहीं

आप खुद भी काफी सारे नए डेकोरेटिंग तैयार कर सकते हैं। जरूर करें प्लाटिंग

होम डेकोर के लिए भले ही आप कुछ खरीद पाएं या नहीं लेकिन एक काम जो आप बेहद कम खर्च में कर सकते हैं वो है प्लाटिंग। छोटे-बड़े पॉट्स में आप



कुछ इंडोर या आउटडोर प्लांट्स लगा सकते हैं। इन्हें लगाने के लिए आप नए घर में जाने का इंतजार न करें। अगर पहले से ही यह काम करके रखेंगे तो वहाँ जाते ही आपको अपने पास हरा-भरा खुबसूरत नजारा मिलेगा।

पहले ही कर लें फॉर्मिंग आइटम्स की शॉपिंग बजट फिक्स कर कुछ फॉर्मिंग आइटम्स की शॉपिंग भी आप पहले से कर सकते हैं जैसे बेडरूम, बूथन कवर्स, पर्ड आदि। इससे घर को एक दम नया लुक मिलेगा।

हर एरिया नए तरीके से सजाएं

अगर आप नए घर में शिप्ट कर चुके हैं तो सबसे बड़ा दैलेंज जो आपके सामने होगा वो है सारे सामान को प्रैपली अरेंज करना। लिविंग रूम से लेकर किचन और बाथरूम तक आपको काशिश करनी चाहिए कि एरिया को नए तरीकों से सजाएं।

फॉर्मिंग नए ढांग से रखें

जरूरी नहीं फॉर्मिंग को पुराने घर की तरह ही नए घर में यूज किया जाए। अगर किसी टेबल या रैक आपके लिविंग रूम का पार्ट थी तो अब आप उसे किचन या डाइनिंग रूम में रख सकते हैं। इसी तरह के एक्सप्रिमेट्स आप चेयर्स और सोफा वौलर के साथ भी कर सकते हैं।



## इस तरह से रखें बरतनों की चमक बरकरार!

किचन के बरतनों को साफ रखना बहुत ही जरूरी होता है। पहले समय में बरतन धूलना थोड़ा कठिन होता था लेकिन अब नहीं। अब तो इससे उसपर लगी गंदगी आराम से निकल जाती है।

डिशवोश लिक्विड और कई सोप हैं जिनकी

मदद से आप बरतनों को चमका सकते हैं।

आज हम आपको कुछ टिप्प बताएंगे, जिनसे आपके बरतनों की चमक बरकरार रहेंगी। 1.

खाना खाने के बाद तुरंत ही पानी से बरतनों को साफ करें और फिर उसे सिंक में रखें। ऐसा करने से बरतनों में जूटन विपक्षी नहीं रहती।

2. बरतनों पर साबुन लगाने से पहले उन पर मौजूद खाद्यपदार्थों को साफ कर कूड़े में डाल दें।

3. बरतनों को धोने वाले स्पंज को यूज करने से पहले अच्छी तरह से धोएं। स्पंज में बैक्टीरिया छिपा रहता है इसलिए बेहतर है कि उसे अच्छी तरह धोकर ही इसेमाल करें। स्पंज को समय-समय पर बदलते रहें।

4. कैमिकल सैनिटाइजर का प्रयोग करें। साधारण साबुन से बरतनों की चिकनाई उत्तर जाती है लेकिन बैक्टीरिया नहीं मरते।



## घर के अच्छे व शांत माहौल के लिए अपनाएं ये टिप्स...

घर अंदर से चाहे कितना भी सुंदर सजा हो लेकिन अगर एबियंस (माहौल) को आपने इग्नोर कर दिया तो घर की साज-सज्जा का पूरा लुक नहीं आएगा।

घर के अच्छे व शांत माहौल के लिए अपनाएं ये टिप्स...

1. सिर्फ घर को साफ-सुथरा रखकर उसे सजाना ही आपका मकसद नहीं होना चाहिए। उसके परिवेश में भी बदलाव करने चाहिए, जैसे यदि आसपास से शोरगुल सुनाई देता है, तो तिकड़ियों पर साउंडरूफ शीशे लगवाएं।

2. यदि घर के उपकरण आवाज करते हैं, तो उन्हें ठीक करवाएं या फिर उन्हें ऐसी जगह शिप्ट करें, जहाँ आवाज ड्रॉइंग रूम, बेडरूम या स्टडी रूम तक न आती हो।

3. घर में ताजा फूल रखें। याहे तो अपनी पसंद की गंध वाले रूम फैशनर का प्रयोग करें।

4. दीवारों का रंग हल्का रखें। यदि रंग ज्यादा घटख होगा तो भले ही ये देखने में सुंदर लगे लेकिन ये कभी सुकून नहीं दे सकते।

5. यदि घर छोटा है तो आईने की दीवारों के साथ इस तरह से



जुड़वाएं जिससे वे स्पेस का एक्सटेंशन करते नजर आएं।

6. घर में थोड़ी ग्रीनरी को भी स्थान दें। यह नैचुरल हो सकती है या आर्टिफिशियल।

7. किसी एक रूम में स्प्रिंगुलिटी फैलने दें। सुबह के समय पर लाईट म्यूजिक माहौल को सुखद बनाता है।



